Drishti IAS

करेंट अफेयर्स बिहार

(संग्रह)

फरवरी 2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

बिहार

- केंद्रीय बजट 2025: बिहार के लिये प्रमुख आवंटन 3
- किऊल नदी 4
- पुस्तक: स्ट्रीट वेंडर से ब्यूरोक्रेट 5
- लखीसराय संग्रहालय 5
- मनेर शरीफ 6
- नवादा में 142 योजनाओं का उद्घाटन 6
- औरंगाबाद ज़िले में 195 योजनाओं का उद्घाटन 7
- 12वाँ दरभंगा अंतर्राष्ट्रीय फिल्म उत्सव 9
- केंद्रीय बजट 2025-26 : बिहार के लिये प्रमुख आवंटन 10
- बिहार में भूकंप के झटके 11
- मधुबनी चित्रकला 11
- गया ज़िले के स्टोन आर्ट को GI टैग मिला 13
- बिहार ने 25 वर्षों के बाद स्वर्ण पदक जीता 15
- बिहार में नए एयरपोर्ट को मिली मंज़ूरी 16
- बोधगया में बौद्ध महोत्सव 2025 17
- भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर 17
- बिहार राज्य वूमेंस वूशु चैंपियनशिप-2025 18
- नालंदा में विकास परियोजनाओं का उद्घाटन 19
- भारतीय नकली नोट की छपाई 20
- महिलाओं की सहायता हेतु सुरक्षा अधिकारी नियुक्त 21
- पीएम-किसान योजना 22

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

नोट :

बिहार

केंद्रीय बजट 2025: बिहार के लिये प्रमुख आवंटन

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में केंद्रीय वित्त मंत्री ने **बजट भाषण 2025** में **बिहार के लिये कई परियोजनाओं की घोषणा की।**

मुख्य बिंदु

- **मखाने की खेती करने वाले किसानों को बढ़ावा:**
  - नव घोषित **मखाना बोर्ड मखाना** के उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन को बढ़ाएगा।
  - **मिथिला मखाना को 2022 में भौगोलिक संकेत (GI) टैग** प्राप्त हुआ, जिसमें बिहार भारत के कुल उत्पादन में 80% का योगदान देता है।
  - इस पहल से **पाँच लाख से अधिक किसानों को लाभ होने की उम्मीद है,** खासकर दरभंगा, मधुबनी, सीतामढी, सहरसा, कटिहार, पूर्णिया, किशनगंज, अररिया, सुपौल और मधेपुरा में।
- **विमानन अवसंरचना का विस्तार:**
  - बिहार में **नए ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे भविष्य की मांगों को पूरा करेंगे।**
  - पटना हवाई अड्डे की क्षमता विस्तार और बिहटा में ब्राउनफील्ड हवाई अड्डे के विकास की भी योजना बनाई गई है।
- **शिक्षा और बुनियादी ढाँचे में निवेश:**
  - पूंजी निवेश के लिये अतिरिक्त धनराशि आवंटित की जाएगी तथा बहुपक्षीय विकास बैंकों से बाह्य सहायता के लिये बिहार के अनुरोध पर तेज़ी से कार्रवाई की जाएगी।
  - पूर्वी भारत के विकास के लिये पूर्वोदय पहल के अंतर्गत राष्ट्रीय **खाद्य प्रौद्योगिकी, उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान** की स्थापना की जाएगी।
  - **भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) पटना** के लिये छात्रावास सहित बुनियादी ढाँचे के विस्तार की योजना बनाई गई है।
- **मंदिर एवं पर्यटन विकास:**
  - बजट में **विष्णुपद और महाबोधि मंदिर कॉरिडोर** के समग्र विकास के लिये **काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर** के समान समर्थन प्रदान करने का आश्वासन दिया गया है।
  - नालंदा को एक प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा तथा **नालंदा विश्वविद्यालय** को उसके ऐतिहासिक महत्त्व को पुनः स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा।

विष्णुपद मंदिर और महाबोधि मंदिर

- **गया स्थित विष्णुपद मंदिर:**
  - यह मंदिर बिहार के गया ज़िले में फल्गु नदी के तट पर स्थित है। यह मंदिर **भगवान विष्णु** को समर्पित है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **पौराणिक मान्यता:**
  - स्थानीय पौराणिक कथाओं के अनुसार, **गयासुर नामक एक राक्षस ने देवताओं से प्रार्थना की** थी कि वे उसे दूसरों को मोक्ष (पुनर्जन्म के चक्र से मुक्ति) प्राप्त करने में सहायता करने की **शक्ति प्रदान करें।**
  - हालाँकि, इस शक्ति का दुरुपयोग करने पर भगवान विष्णु ने उसे वश में कर लिया और मंदिर में एक पदचिह्न छोड़ दिया, जिसे उस घटना का निशान माना जाता है।
- **वास्तुकला विशेषताएँ:**
  - यह मंदिर लगभग 100 फीट ऊँचा है और इसमें 44 स्तंभ हैं जो **बड़े ग्रे ग्रेनाइट ब्लॉकों** (मुंगेर काले पत्थर) से बने हैं और **लोहे की पट्टियों से जोड़े गए हैं।**
  - अष्टकोणीय **मंदिर** पूर्व दिशा की ओर उन्मुख है।
- **निर्माण:**
  - इसका निर्माण **1787 में महारानी अहिल्याबाई होल्कर** के आदेश पर किया गया था।
- **सांस्कृतिक प्रथाएँ:**
  - यह मंदिर **पितृ पक्ष के दौरान विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण होता है,** जो पूर्वजों के सम्मान के लिये समर्पित अवधि है तथा बड़ी संख्या में भक्तों को आकर्षित करता है।
  - ब्रह्म **कल्पित ब्राह्मण,** जिन्हें गयावाल ब्राह्मण भी कहा जाता है, प्राचीन काल से ही मंदिर के पारंपरिक पुजारी रहे हैं।
  - **बोधगया में महाबोधि मंदिर:**
- ऐसा माना जाता है कि यह वह **स्थान है जहाँ गौतम बुद्ध** को महाबोधि वृक्ष के नीचे **ज्ञान की प्राप्ति हुई थी।**
- **मंदिर का निर्माण:**
  - मूल मंदिर का निर्माण **सम्राट अशोक** ने तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में करवाया था, जबकि वर्तमान संरचना **5वीं-6वीं शताब्दी की है।**
- **वास्तुकला विशेषताएँ:**
  - इसमें **50 मीटर ऊँचा भव्य मंदिर (वज्रासन), पवित्र बोधि वृक्ष** और बुद्ध के ज्ञान प्राप्ति के अन्य 6 पवित्र स्थल शामिल हैं।
  - यह कई प्राचीन **स्तूपों से घिरा हुआ है,** जो अच्छी तरह से अनुरक्षित हैं तथा आंतरिक, मध्य और बाहरी गोलाकार सीमाओं द्वारा संरक्षित हैं।
  - यह **गुप्त काल** के सबसे प्रारंभिक **ईंट मंदिरों में से एक है,** जिसने बाद की ईंट वास्तुकला को प्रभावित किया है।
  - वज्रासन **(हीरा सिंहासन)** मूलत: **सम्राट अशोक द्वारा उस स्थान को चिह्नित करने के लिये स्थापित किया गया था जहाँ बुद्ध बैठते थे और ध्यान करते थे।**

किऊल नदी

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में बिहार के मुख्यमंत्री ने **किऊल नदी** पर 49 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले पुल का शिलान्यास किया।

मुख्य बिंदु

- इस पुल की लंबाई 390 मीटर और चौड़ाई 12 मीटर है।
- किऊल-लखीसराय को जोड़ने वाले इस पुल का निर्माण पूरी तरह से पथ निर्माण विभाग द्वारा किया गया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

किऊल नदी

- किऊल नदी **गंगा** की एक सहायक नदी है, जिसका उद्गम स्थल उत्तरी **छोटा नागपुर** का पहाड़ है। यह नदी **झारखंड के गिरिडीह ज़िले में स्थित पर्वतमाला** से गिरती है और जमुई होते हुए लखीसराय पहुँचकर हरूहर नदी में मिल जाती है।
  - इसके बाद यह मुंगेर जिले में गंगा में मिल जाती है।

पुस्तक: स्ट्रीट वेंडर से ब्यूरोक्रेट

चर्चा में क्यों ?

बिहार के **राज्यपाल** ने 5 फरवरी 2025 को राजभवन में मनोज कुमार द्वारा लिखित पुस्तक "स्ट्रीट वेंडर से ब्यूरोक्रेट" का विमोचन किया।

मुख्य बिंदु

- **पुस्तक के बारे में:**
  - इसमें लेखक ने बिहार के **कोशी क्षेत्र से दिल्ली तक** की यात्रा का **संघर्षपूर्ण और प्रेरणादायक वर्णन** किया।
  - गरीबी और कठिनाईयों के बावजूद, वह अपनी मेहनत और लगन से सिविल सर्विस परीक्षा में सफल हुए और उच्च पद पर पहुँचे।
  - पुस्तक का **संपादन डॉ. हर्षवर्धन कुमार** ने किया है।

लखीसराय संग्रहालय

चर्चा में क्यों ?

6 फरवरी 2025 को बिहार के मुख्यमंत्री ने 35.8 करोड़ की लागत से बने लखीसराय संग्रहालय का उद्घाटन किया।

मुख्य बिंदु

- **लखीसराय संग्रहालय के बारे में:**
  - यह बिहार का **दूसरा सबसे बड़ा विश्वस्तरीय संग्रहालय है**। संग्रहालय का भवन काफी सुसज्जित तरीके से बनाया गया है, जिसमें इंडोर थियेटर व आउटडोर थियेटर का भी निर्माण किया गया है।
  - लखीसराय जिले के विभिन्न क्षेत्रों में खुदाई से प्राप्त **पौराणिक मूर्तियाँ, शिलालेख, मृदभांड, बौद्ध स्तूप और कीमती पत्थर** जिन्हें अशोकधाम मंदिर समेत अन्य स्थानों पर रखा गया था, अब इस संग्रहालय में संरक्षित किया जाएगा।
- **महत्त्व:**
  - **ऐतिहासिक धरोहर का संरक्षण:** संग्रहालय जिले के प्राचीन इतिहास और संस्कृति का संरक्षण करेगा, जहाँ **पुरातात्विक अवशेषों और** मूर्तियों का अध्ययन **और संरक्षण** किया जाएगा।
  - **पर्यटन को बढ़ावा:** संग्रहालय से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, जिससे लोग यहाँ के इतिहास और संस्कृति को जानंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ होगा।
  - **स्थानीय संस्कृति का प्रचार:** संग्रहालय **लखीसराय से सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्त्व** को प्रस्तुत करने सहायता मिल सकती है।
- **घोषणा:** ज्ञातव्य है की लखीसराय के आसपास के क्षेत्र में पुरातत्विक अवशेषों के संरक्षण की आवश्यकता को देखते हुए लखीसराय में संग्रहालय बनाए जाने की **घोषणा वर्ष 2018 में की गई थी।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

लखीसराय जिला

- यह जिला 3 जुलाई 1994 को स्थापित किया गया था। पहले लखीसराय मुंगेर जिले में एक अनुमंडल था।
- जिले के भीतर कुछ महत्वपूर्ण मंदिरों और **धार्मिक स्थलों में अशोकधाम, बरहिया के भगवती मंदिर, श्रृंगी ऋषि, जलप्पा स्थान, अभयनाथ स्थान, अभिपुर पर्वत, अभिपुर के महारानी स्थान, गोविंद बाबा स्थान** (मंडप) रामपुर और दुर्गा स्थान लखिसराई आदि हैं।
- लखीसराय क्रमश: पूर्व, दक्षिण, पश्चिम और उत्तर में **मुंगेर, शेखपुरा, बेगुसराय और पटना** से घिरा है।

मनेर शरीफ

चर्चा में क्यों ?

बिहार के मुख्यमंत्री ने **मनेर शरीफ** में **हजरत मखदूम शाह कमालुद्दीन अहमद याहिया मनेरी** के 756वें उर्स में शामिल हुए।

मुख्य बिंदु

- **मनेर शरीफ के बारे में:** पटना ज़िले में स्थित इस शहर का पुराना नाम **मनियार मथान** था जिसका अर्थ है संगीतमय शहर।
  - इस शहर में सूफी संत **मखदूम याह्या मनेरी** और **मखदूम शाह दौलत** की कब्रें हैं, जिन्हें **बड़ी दरगाह (महान तीर्थस्थल) और छोटी दरगाह (छोटा तीर्थस्थल)** के नाम से जाना जाता है।
- **वर्ष 1616 में मखदूम शाह दौलत** को यहाँ दफनाया गया था और वर्ष 1619 में बिहार के शासक **इब्राहिम खान** ने यहाँ छोटी दरगाह का निर्माण करवाया था।
- **उर्स:** बिहार सरकार के **पर्यटन विभाग** और **ज़िला प्रशासन** के सहयोग से प्रत्येक वर्ष मनेर दरगाह परिसर में मखदूम शाह की जन्मस्थली पर सलाना उर्स आयोजन किया जाता है।

मखदूम याह्या मनेरी

- इन्हें मखदूम-उल-मुल्क बिहारी और मखदूम-ए-जहाँ के नाम से भी जाना जाता है। इनका जन्म जुलाई 1264 ईस्वी को **पटना** के पास एक गाँव मनेर में हुआ था।
- इन्हें **अरबी, फ़ारसी, तर्कशास्त्र, दर्शनशास्त्र, धर्म** और तसव्वुफ़ (**सूफीवाद**) की गहरी समझ थी।
- **फिरदौसी संप्रदाय** से सबंध रखने वाले इनके पिता मखदूम कमालुद्दीन याह्या मनेरी बिन इज़राइल बिन ताज फकीह अल-खलील (फिलिस्तीन) से थे, जो मनेर के एक **सूफी संत** थे।

नवादा में 142 योजनाओं का उद्घाटन

चर्चा में क्यों ?

मुख्यमंत्री ने अपनी प्रगति यात्रा के दौरान **नवादा** में करोड़ों रुपए की लागत वाली 142 योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- मुख्यमंत्री ने अपनी प्रगति यात्रा के दौरान नवादा ज़िले को कई विकास योजनाओं की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने **कुल 211.96 करोड़ रुपए की 202 योजनाओं में से 138.06 करोड़ रुपए की 142 योजनाओं का उद्घाटन किया और 73,89 करोड़ रुपए की 60 योजनाओं का शिलान्यास** किया। साथ ही ज़िले में अन्य विकास योजनाओं का अवलोकन किया।
- **प्रमुख विकास योजनाएँ:** कुछ प्रमुख योजनाएँ निम्नलिखित हैं-
  - **नवादा में मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल** का निर्माण किया जाएगा।
  - रजौली अनुमंडल में **डिग्री कॉलेज** की स्थापना की जाएगी।
  - नवादा ज़िले में बहुद्देशीय प्रेक्षागृह का निर्माण किया जाएगा।
  - नवादा नगर परिषद में छूटे 27 वार्ड में गंगाजल आपूर्ति की जाएगी।
  - नवादा के **रजौली में औद्योगिक क्षेत्र** का विकास किया जायेगा।
- **महत्त्व:** इन विकास योजनाओं से नवादा ज़िले में सामाजिक और आर्थिक विकास को गति मिलेगी और स्थानीय लोगों को बेहतर सुविधाएँ मिलेंगी, जो शिक्षा, स्वास्थ्य तथा रोजगार के क्षेत्र में सुधार लाएंगी।

नवादा ज़िला

- नवादा ज़िले का इतिहास **मगध साम्राज्य** से जुड़ा है और इस क्षेत्र के लोग **मगही** बोलते हैं।
- प्राचीन काल में वनाच्छादित होने के कारण इसका **प्रसंग पाडंवों के अज्ञातवास में भी हुआ है**।
- आज भी नवादा के कई प्रखंड वन से घिरे हैं, जैसे **रजौली, कौआकोल, गोविंदपुर इत्यादि**।
- नवादा शब्द **"नव" और "आबाद" दो शब्द से बना** है, अर्थात खुरी नदी के उत्तर में जो मानव बस्तियाँ बसी वह नव आबाद था।
- वर्तमान में नवादा ज़िला की सीमा दक्षिण में **झारखंड के कोडरमा ज़िले से लगी हुई** है।
- 26 जनवरी 1973 को अस्तित्व में आया यह ज़िला पहले गया ज़िले के अधीन एक अनुमंडल था।
- नवादा ज़िला कई प्रमुख पर्यटन स्थल हैं जैसे, **ककोलत झरना, प्रजातंत्र द्वार, सीतामढ़ी, नारद संग्रहालय, सेखोदेवरा और गुनियाजी तीर्थ** आदि।

औरंगाबाद ज़िले में 195 योजनाओं का उद्घाटन

चर्चा में क्यों ?

मुख्यमंत्री ने अपनी **प्रगति यात्रा** के दौरान **औरंगाबाद ज़िले में 195 योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास** किया।

मुख्य बिंदु

- मुख्यमंत्री ने **554 करोड़ रुपए से अधिक की लागत की कुल 195 विकासात्मक योजनाओं का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन एवं शिलान्यास किया।** इनमें 127.43 करोड़ रुपए की लागत से 79 योजनाओं का उद्घाटन एवं 426.76 करोड़ रुपए की लागत से 116 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

बिहार सरकार

सूचना एवं जन- सम्पर्क विभाग
बिहार सरकार

प्रगति यात्रा
औरंगाबाद जिले में
माननीय मुख्यमंत्री
श्री नीतीश कुमार
की प्रमुख घोषणाएं

1. देव नगर पंचायत में रिंग रोड का निर्माण।
2. बिशुनपुर कैनाल का निर्माण।
3. राष्ट्रीय उच्च पथ पर ट्रॉमा सेन्टर का निर्माण।
4. औरंगाबाद शहर में अदरी नदी पर रिवर फ्रंट डेवलपमेंट का कार्य।
5. मदनपुर प्रखंड के चाँद बिगहा ग्राम में केशहर नदी पर चेक डैम का निर्माण।
6. नगर पंचायत, देव में अवस्थित सूर्य मंदिर के समीप सूर्य कुण्ड एवं रुद्र कुण्ड परिसर से एस0एच0-101 तक ग्रीनफील्ड सम्पर्क पथ का निर्माण।
7. औरंगाबाद जिले में मदनपुर, औरंगाबाद, नवीनगर, हसपुरा, गोह, ओबरा एवं दाउदनगर कुल 07 प्रखंडों में नये प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय भवन का निर्माण।
8. औरंगाबाद जिले में स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स एवं स्टेडियम का निर्माण।
9. रफीगंज के लिए बाइपास का निर्माण।
10. जम्होर पंचायत यदि नगर पंचायत बनने की शर्तों को पूरा करती है तो उसे नगर पंचायत बनाने की कार्रवाई प्रारंभ की जायेगी।
11. औरंगाबाद में यदि केन्द्रीय विद्यालय खोलने का प्रस्ताव आता है तो इसके लिए आवश्यक जमीन उपलब्ध करायी जायेगी।
12. औरंगाबाद जिले में नया मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का निर्माण।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **प्रमुख विकास योजनाएँ:**
  - **देव प्रखंड के बेढनी पंचायत में पंचायत सरकार भवन के शिलापट्ट** का उद्घाटन किया।
  - सदर अस्पताल में 9 मंज़िला **मॉडल अस्पताल का उद्घाटन** किया।
  - **डॉ. भीमराव अंबेडकर आवासीय विद्यालय** का उद्घाटन किया।
  - **रिंग रोड और मेडिकल कॉलेज** का निर्माण होगा।
  - **स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स** का निर्माण निर्माण होगा।
  - **रुद्र कुंड और सूर्य कुंड के सौंदर्याकरण** का अवलोकन किया।
  - अदरी नदी पर प्रस्तावित रिवर फ्रंट निर्माण का अवलोकन किया।
- मुख्यमंत्री ने लाभुकों को **मुख्यमंत्री प्रखंड परिवहन योजना** का सांकेतिक चेक और चाबी, **आयुष्मान कार्ड, मुख्यमंत्री उद्यमी योजना** (वर्ष 2024-2025) के अंतर्गत 147 चयनित लाभुकों को प्रथम किश्त के रुप में 2 करोड़ 94 लाख रुपए का सांकेतिक चेक, **मुख्यमंत्री नि:शक्त जन विवाह प्रोत्साहन अनुदान योजना** का सांकेतिक चेक लाभुकों को प्रदान किया।

औरंगाबाद ज़िला

- **स्थापना: गंगा नदी के उत्तरी किनारे पर** स्थित इस ज़िले की **स्थापना वर्ष 1972** में की गई थी और यह पूर्वी चंपारण ज़िला और गया ज़िलों से बनाया गया था।
- **नदियाँ:** औरंगाबाद ज़िले में **आदिरी, पुनपुन, औरंगा, बटाणे, मोहर और मदर मानक नदियाँ बहती** हैं।
- भाषा: यहाँ की **स्थानीय भाषा मैथिली** है, लेकिन **हिंदी और अंग्रेज़ी** भी व्यापक रूप से बोली जाती हैं।
- **पर्यटन स्थल: गृद्धकूट पर्वत, बारबरीन का मकबरा, देव सूर्य मंदिर, उमगा सूर्य मंदिर, दाऊद का किला** आदि।
- **शक्ति संयंत्र:** कोयला आधारित **नबीनगर सुपर थर्मल पावर परियोजना** औरंगाबाद के सिवानपुर गाँव में स्थित है।

अदरी नदी

- यह नदी धार्मिक दृष्टिकोण से बहुत महत्त्वपूर्ण है। इस नदी के किनारे दूर-दराज़ एवं आस-पास के लोगों द्वारा **छठ महोत्सव मनाया जाता** है।
- यह औरंगाबाद शहर के बीच से गुजरती है और **पुनपुन नदी की एक सहायक नदी है।**
- इसका उद्गम स्थल देव प्रखंड के अदरी गाँव से माना जाता है।
- ज्ञातव्य है कि यह **मानव निर्मित नदी** है।

12वाँ दरभंगा अंतर्राष्ट्रीय फिल्म उत्सव

चर्चा में क्यों ?

07-09 फरवरी, 2025 के मध्य बिहार के **दरभंगा ज़िले में** 12वें दरभंगा अंतर्राष्ट्रीय चलचित्र उत्सव 2025 (DIFF) का आयोजन किया गया।

मुख्य बिंदु

- यह उत्सव दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, दरभंगा के प्रांगण में आयोजित किया गया।
- तीन दिवसीय इस प्रतिष्ठित फिल्म उत्सव की क्लोज़िंग फिल्म बॉलीवुड अभिनेता यशपाल शर्मा द्वारा निर्देशित फिल्म **"दादा लखमी"** रही, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- इस उत्सव में देश-विदेश की **45 फिल्मों की स्क्रीनिंग की गई**, जिसने सिनेमा प्रेमियों और फिल्म निर्माताओं को एक वैश्विक मंच प्रदान किया।
- 12वें दरभंगा अंतर्राष्ट्रीय चलचित्र उत्सव में युवा सांस्कृतिक प्रस्तुति और सिनेमा क्विज़ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें दरभंगा के विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।
- इस उत्सव के समापन समारोह में **विभिन्न श्रेणियों में 65 अवॉर्ड्स प्रदान किये गए।**
- दरभंगा फिल्म क्लब द्वारा आयोजित यह अंतर्राष्ट्रीय चलचित्र उत्सव लगातार 12 वर्षों से (वर्ष 2013 से) सिनेमा प्रेमियों के लिये एक प्रतिष्ठित मंच बना हुआ है।
- यह न केवल स्थानीय एवं अंतर्राष्ट्रीय फिल्मकारों को एक साथ लाने का कार्य करता है, बल्कि मिथिला एवं बिहार की सांस्कृतिक धरोहर को भी वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करता है।

दरभंगा ज़िला

- यह बिहार राज्य के मिथिला क्षेत्र में **बागमती नदी** के किनारे स्थित है।
- दरभंगा प्रमंडल के अंतर्गत तीन ज़िले दरभंगा, मधुबनी एवं समस्तीपुर आते हैं।
- **दरभंगा के उत्तर में मधुबनी, दक्षिण में समस्तीपुर, पूर्व में सहरसा एवं पश्चिम में मुजफ्फरपुर तथा सीतामढ़ी ज़िला है।**
- दरभंगा शब्द संस्कृत भाषा के शब्द 'द्वार-बंग' या **फारसी भाषा** के 'दर-ए-बंग' यानी बंगाल का दरवाजा का मैथिली भाषा में कई सालों तक चलनेवाले स्थानीयकरण का परिणाम है। ऐसा कहा जाता है कि मुगल काल में दरभंगी खां ने शहर बसाया था।
- दरभंगा ज़िला का कुल क्षेत्रफल 2,279 वर्ग कि०मी० है।

केंद्रीय बजट 2025-26 : बिहार के लिये प्रमुख आवंटन

चर्चा में क्यों ?

01 फरवरी, 2025 को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट 2025-26 में बिहार के लिये कई महत्त्वपूर्ण परियोजनाओं की घोषणा की गई है।

मुख्य बिंदु

परियोजनाओं के बारे में :

- **मखाना किसानों के लिये प्रोत्साहन:**
  - **मखाना बोर्ड की स्थापना:** बिहार में मखाना के उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्द्धन और विपणन को बढ़ावा देने के लिये एक मखाना बोर्ड की स्थापना की जाएगी।
  - **मिथिला मखाना का GI टैग:** 2022 में मिथिला मखाना को **भौगोलिक संकेत (GI) टैग प्राप्त हुआ** था, जिसमें बिहार भारत के कुल मखाना उत्पादन का 80% योगदान देता है।
  - **लाभान्वित किसान:** इस पहल से दरभंगा, मधुबनी, सीतामढ़ी, सहरसा, कटिहार, पूर्णिया, किशनगंज, अररिया, सुपौल और मधेपुरा जिलों के पाँच लाख से अधिक किसानों को लाभ होने की उम्मीद है।
- **फूड प्रोसेसिंग संस्थान की स्थापना:** वित्तमंत्री ने बिहार में राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी, उद्यमिता और प्रबंधन संस्थान की स्थापना करने की घोषणा की है। इससे क्षेत्र में **खाद्य प्रसंस्करण** को बढ़ावा मिलेगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **विमानन अवसंरचना का विस्तार:**
  - **ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे:** बिहार में भविष्य की मांगों को पूरा करने के लिये नए ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों की स्थापना की जाएगी।
  - **पटना हवाई अड्डे का विस्तार:** पटना हवाई अड्डे की क्षमता बढ़ाने की योजना बनाई गई है।
  - **बिहटा में ब्राउनफील्ड हवाई अड्डा:** बिहटा में एक ब्राउनफील्ड हवाई अड्डे के विकास की भी योजना है।
- **शिक्षा और बुनियादी ढाँचे में निवेश:**
  - **पूंजी निवेश:** बिहार में पूंजी निवेश के लिये अतिरिक्त धनराशि आवंटित की जाएगी और बहुपक्षीय विकास बैंकों से बाह्य सहायता के लिये राज्य के अनुरोधों पर तेज़ी से कार्रवाई की जाएगी।
  - **पूर्वोदय पहल:** पूर्वी भारत के विकास के लिये 'पूर्वोदय' पहल के तहत बिहार में राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी, उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान की स्थापना की जाएगी।
  - **IIT पटना का विस्तार:** भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) पटना के लिये छात्रावास सहित बुनियादी ढाँचे के विस्तार की योजना बनाई गई है।
- **मंदिर और पर्यटन विकास:**
  - **विष्णुपद और महाबोधि मंदिर कॉरिडोर:** बजट में गया स्थित **विष्णुपद मंदिर और बोधगया स्थित महाबोधि मंदिर** के समग्र विकास के लिये काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर के समान समर्थन प्रदान करने का आश्वासन दिया गया है।
  - **नालंदा का विकास:** नालंदा को एक प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा और नालंदा विश्वविद्यालय को उसके ऐतिहासिक महत्व को पुन: स्थापित करने के प्रयास किए जाएंगे।

बिहार में भूकंप के झटके

चर्चा में क्यों ?

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, 17 फरवरी, 2025 को बिहार के सिवान में **4.0 तीव्रता** का भूकंप आया था।

मुख्य बिंदु

- **राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (NCS):**
  - यह भारत और उसके पड़ोसी क्षेत्रों में **भूकंपीय गतिविधियों की निगरानी और रिपोर्टिंग** के लिये ज़िम्मेदार एजेंसी है।
  - यह **देशभर में भूकंपीय वेधशालाओं का एक नेटवर्क संचालित करता है तथा भूकंप और सुनामी** पर वास्तविक समय का डेटा और सूचना प्रदान करता है।
  - यह जनता को भूकंप संबंधी अलर्ट और अपडेट प्रदान करने के लिये ***BhooKamp*** **नामक एक वेबसाइट और मोबाइल ऐप भी चलाता है।**

मधुबनी चित्रकला

चर्चा में क्यों ?

यूरोपीय देश की दो दिवसीय यात्रा के दौरान भारत के प्रधानमंत्री ने फ्राँस में **अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस** के बच्चों को **भारतीय लोक कला पर आधारित** एक **लकड़ी का रेलवे खिलौना सेट** और एक **जिग्सॉ पहेली** उपहार में दीं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **उपहारों के बारे में**
  - **लकड़ी का रेलवे खिलौना:**
    - प्राकृतिक लकड़ी से तैयार और पर्यावरण के अनुकूल वनस्पति रंगों से रंगा गया यह खिलौना बच्चों की सुरक्षा और पर्यावरण के प्रति जागरूकता सुनिश्चित करता है। इस लकड़ी के रेलवे खिलौने को **"एक कालातीत क्लासिक"** बताया गया, जो पुरानी यादों को स्थिरता के साथ जोड़ता है।

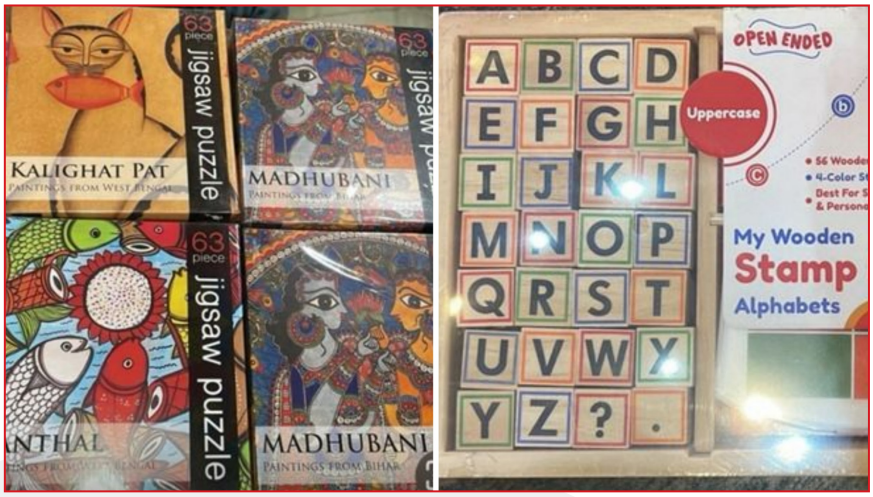

  - **जिग्सॉ पहेली:**
    - इसमें पश्चिम बंगाल की **कालीघाट कला,** संथाल जनजाति की **संथाल पेंटिंग** और बिहार की मधुबनी पेंटिंग जैसी विभिन्न लोक चित्रकला शैलियों को शामिल करके भारत की समृद्ध कला विरासत को दर्शाया गया है।
  - **लकड़ी का वर्णमाला सेट:**
    - यह एक टिकाऊ, सुरक्षित और आकर्षक शिक्षण उपकरण है, जो कौशल और संज्ञानात्मक क्षमताओं को बढ़ाता है।

मधुबनी कला

- उत्पत्ति: मधुबनी चित्रकला की उत्पत्ति बिहार के मिथिला क्षेत्र में हुई है।
  - यह चित्रकला सबसे प्राचीन और सबसे प्रसिद्ध भारतीय कला रूपों में से एक है, जिसका नेपाल में भी अभ्यास किया जाता है।
  - मधुबनी कला के निशान भारतीय महाकाव्य रामायण में भी देखे जा सकते हैं।
  - इसे **मिथिला या मधुबनी कला के नाम से भी जाना जाता है।**
- **विशेषताएँ:** ये चित्र अपने **आदिवासी रूपांकनों और चमकीले मिट्टी के रंगों के उपयोग के कारण लोकप्रिय हैं।**
  - परंपरागत रूप से **गाँव की महिलाएँ** अपनी भावनाओं, आशाओं और विचारों के प्रदर्शन के रूप में अपने घरों की दीवारों पर ये चित्र बनाती थीं।
  - आज मांग को पूरा करने के लिये पुरुष भी इसमें शामिल हो गए हैं।
- **शैली:** इसमें **ज्यामितीय पैटर्न, पुष्प, पशु और पक्षी रूपांकन शामिल हैं।**
- **रंग:** चित्रों में इस्तेमाल किये जाने वाले रंग **पौधों और अन्य प्राकृतिक स्रोतों से प्राप्त प्राकृतिक अर्क से बने होते हैं। उदाहरण के लिये:** काला रंग गाय के गोबर में कालिख मिलाकर बनाया जाता है; नीला रंग नील से; सफेद रंग चावल के पाउडर से; नारंगी रंग पलाश के फूलों से बनाया जाता है, आदि।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

भूकंप

के बारे में

- पृथ्वी का कंपन; ऊर्जा के निकलने के कारण तरंगे उत्पन्न होती हैं, जो सभी दिशाओं में फैलकर भूकंप लाती हैं

अवकेंद्र (Hypocenter)

- वह स्थान जहाँ भूकंप का उद्गम होता है (पृथ्वी की सतह के नीचे)

अधिकेंद्र (Epicenter)

- अवकेंद्र के समीपस्थ स्थान (पृथ्वी की सतह पर)

भूकंपीय तरंगें

- भूगर्भिक तरंगें: पृथ्वी के अंदरूनी भाग से होकर सभी दिशाओं में आगे बढ़ती हैं।
  - P तरंगें: तीव्र गति से चलती हैं, ध्वनि तरंगों जैसी होती हैं, गैस, तरल व ठोस तीनों प्रकार के पदार्थों से गुज़र सकती हैं।
  - S तरंगें: धरातल पर कुछ समय अंतराल के बाद पहुँचती हैं, केवल ठोस पदार्थों के ही माध्यम से चलती हैं।
- धरातलीय तरंगें: भूकंपलेखी (सिस्मोग्राफ) पर अंत में अभिलेखित होती हैं, अधिक विनाशकारी, शैलों/चट्टानों के विस्थापन का कारण बनती हैं
  - लव तरंगे: लंबवत् विस्थापन के बिना S-तरंगों के समान गति (क्षैतिज), क्षैतिज गति प्रसार की दिशा के लंबवत्, रेले तरंगों की तुलना में तीव्र गति
  - रेले तरंगें: भूमि पर दीर्घवृत्ताकार पथ में दोलन उत्पन्न करती हैं, सभी भूकंपीय तरंगों में से अधिकांश के प्रसार का कारण बनती हैं, एक ऊर्ध्वाधर ताल में लंबवत् व क्षैतिज रूप से गति करती हैं

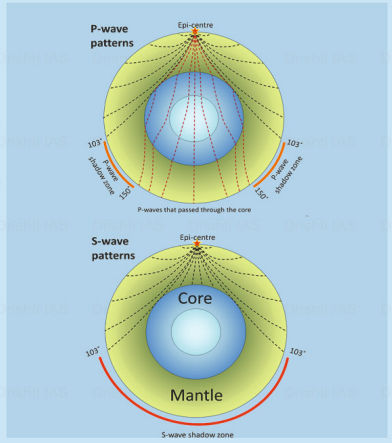

भूकंप के कारण

- किसी भ्रंश/भ्रंश ज़ोन के किनारे-किनारे ऊर्जा का निर्मुक्त होना (भूपर्पटी की शिलों में दरारें)
- टेक्टोनिक प्लेटों का संचलन (सबसे सामान्य कारण)
- ज्वालामुखी विस्फोट (शैल के तनाव में परिवर्तन - मैग्मा का अन्तःक्षेपण/निकासी)
- मानवीय गतिविधियाँ (खनन, रसायनों/परमाणु उपकरणों का विस्फोटन आदि)

भूकंप का मापन

- भूकंपमापी (Seismometer)- भूकंपीय तरंगों को मापता है
- रिक्टर पैमाना (Richter Scale)- परिमाण को मापता है (निर्मुक्त ऊर्जा; सीमा: 0-10)
- मरकैली (Mercalli)- तीव्रता को मापता है (दृश्यमान क्षति; सीमा: 1-12)

वितरण

- परि-प्रशांत मेखला (Circum-Pacific Belt)- सभी भूकंपों का 81%
- अल्पाइड भूकंप मेखला (Alpide Earthquake Belt)- सबसे बड़े भूकंपों का 17%
- मध्य अटलांटिक कटक (Mid-Atlantic Ridge)- अधिकांशतः जल के नीचे डूबा हुआ

भारत में भूकंप

- तकनीकी रूप से सक्रिय पर्वतों- हिमालय की उपस्थिति के कारण भारत भूकंप से अत्यंत प्रभावित देशों में से एक है।
- भारत को 4 भूकंपीय क्षेत्रों (II, III, IV, और V) में विभाजित किया गया है।

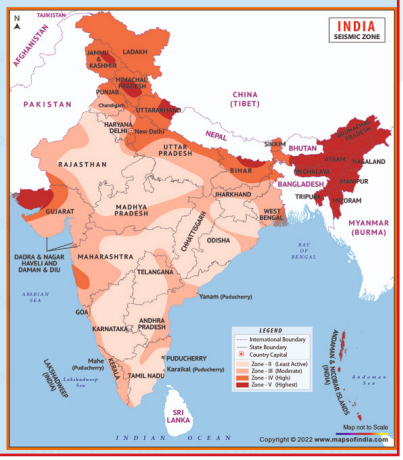

Drishti IAS

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

गया ज़िले के स्टोन आर्ट को GI टैग मिला

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में बिहार के गया ज़िले के **300 वर्ष पुराने स्टोन आर्ट को GI टैग** प्रदान किया गया है।

मुख्य बिंदु

- **स्टोन आर्ट के बारे में:**
  - बिहार के गया ज़िले के नीमचक बथानी प्रखंड के **पत्थरकट्टी गाँव** मूर्ति कला (स्टोन आर्ट) के लिये प्रसिद्ध है।
  - स्टोन आर्ट में भगवान बुद्ध **और** महावीर स्वामी की मूर्तियों के अतिरिक्त विभिन्न कलाकृतियों की मूर्तियाँ बनाई जाती हैं।
- **वैश्विक पहचान:**
  - गया ज़िले के पत्थरकट्टी गाँव में स्टोन आर्ट से जुड़े 650 से अधिक **शिल्पकार** हैं। GI टैग मिलने से न केवल इन शिल्पकारों की बल्कि मूर्तिकला को भी विदेशों में एक नई पहचान मिलेगी। इससे इनकी आय भी बढ़ेगी।
- **इतिहास:**
  - माना जाता है कि महारानी अहिल्याबाई होल्कर ने इस गाँव का नाम पत्थरकट्टी रखा था।
  - यहीं पर शिल्पकारों ने काले ग्रेनाइट पत्थर की पहाड़ी को खोजा। पत्थरकट्टी के काले ग्रेनाइट पत्थर से विष्णुपद मंदिर का निर्माण कराया गया।
- **बिहार के अन्य GI टैग उत्पाद**
  - बिहार के **जर्दालु आम, शाही लीची करतनी चावल, मगही पान और** मधुबनी पेंटिंग को भी GI टैग मिल चुका है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

GI टैग

- GI टैग का पूर्ण रूप जियोग्राफिकल इंडिकेशन (Geographical Indication) है, जिसे हिंदी में भौगोलिक संकेतक कहा जाता है। यह टैग उन उत्पादों को दिया जाता है जिनकी विशिष्टता, गुणवत्ता या प्रतिष्ठा किसी विशेष भौगोलिक क्षेत्र से जुड़ी होती है।
- GI टैग मिलने से उत्पाद को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त होती है।
- अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर GI का विनियमन विश्व व्यापार संगठन (WTO) के बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार संबंधी पहलुओं (Trade-Related Aspects of Intellectual Property Rights-TRIPS) पर समझौते के तहत किया जाता है।
- वहीं, राष्ट्रीय स्तर पर यह कार्य 'वस्तुओं का **भौगोलिक सूचक' (पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम,** 1999 (Geographical Indications of goods 'Registration and Protection' act, 1999) के तहत किया जाता है, जो सितंबर 2003 से लागू हुआ।
- वर्ष 2004 में '**दार्जिलिंग टी**' GI टैग प्राप्त करने वाला पहला भारतीय उत्पाद है।
- भौगोलिक संकेतक का पंजीकरण **10 वर्ष के लिये** मान्य होता है।

बिहार ने 25 वर्षों के बाद स्वर्ण पदक जीता

चर्चा में क्यों?

- उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेल 2025 में बिहार ने 25 वर्षों के बाद स्वर्ण पदक जीता।

38 वें राष्ट्रीय खेल

- 38वें राष्ट्रीय खेल 2025 का आयोजन **28 जनवरी से 14 फरवरी, 2025** के मध्य उत्तराखंड में किया गया। इसका उद्घाटन देहरादून के **राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम** में हुआ।
- खेलों का शुभंकर **मौली था,** जो उत्तराखंड के राज्य पक्षी **मोनाल** से प्रेरित था।
- राष्ट्रीय खेलों में **32 खेल प्रतियोगिताएँ शामिल हुईं**।
- **महाराष्ट्र ने** 54 स्वर्ण, 71 रजत और 76 कांस्य पदक के साथ **प्रथम स्थान प्राप्त किया**। जबकि हरियाणा 48 स्वर्ण, 47 रजत और 58 कांस्य पदक प्राप्त करके दूसरे स्थान पर रहा।

39 वें राष्ट्रीय खेल

- **39वें राष्ट्रीय खेल** 2026 में **मेघालय** में आयोजित किये जाएंगे।

मुख्य बिंदु

- 08 फरवरी, 2025 को उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेल 2025 में बिहार की महिला खिलाड़ी **ख़ुशबू कुमारी, निखत ख़ातून और पायल प्रीति** ने लॉन बॉल की ट्रिपल महिला स्पर्द्धा में स्वर्ण पदक जीता।
    - बिहार ने 25 वर्षों के बाद राष्ट्रीय खेलों में यह स्वर्ण पदक प्राप्त किया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- फाइनल मुकाबले में, बिहार की टीम ने पश्चिम बंगाल को 15-14 के करीबी अंतर से हराया।
- 38वें राष्ट्रीय खेल 2025 में **बिहार** 1 स्वर्ण, 6 रजत और 5 कांस्य पदक सहित कुल 12 पदक जीत के साथ **29वें स्थान पर रहा**।

बिहार में नए एयरपोर्ट को मिली मंजूरी

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में बिहार के पटना के बिहटा में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) द्वारा नए एयरपोर्ट के निर्माण की मंजूरी प्रदान की गई है।

मुख्य बिंदु

- **बिहटा एयरपोर्ट के बारे में:**
  - इस एयरपोर्ट का निर्माण भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण (AAI) द्वारा लगभग 459 करोड़ रुपए की लागत से किया जाएगा।
  - एयरपोर्ट के निर्माण का कार्य रूस की एक कंपनी को सौंपा गया है।
  - इस एयरपोर्ट को वर्ष 2026 तक तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है।
  - एयरपोर्ट के निर्माण के हेतु बिहार सरकार ने लगभग 108 एकड़ ज़मीन आवंटित की है।
  - इसके साथ ही लगभग 2000 करोड़ रुपए की लागत से दानापुर-बिहटा एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है, जों वर्ष 2026 तक पूर्ण होने की संभावना है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI)

- AAI एक वैधानिक निकाय है, जिसका गठन संसद के एक अधिनियम द्वारा 1 अप्रैल, 1995 को किया गया था।
- इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।
- यह प्राधिकरण **ग्राउंड (Ground) और एयरस्पेस (Airspace) दोनों में** नागरिक उड्डयन अवसंरचना के निर्माण, उन्नयन,रखरखाव और प्रबंधन का कार्य करता है।
- वर्तमान में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) 137 विमानपत्तनों का प्रबंधन करता है, जिसमें 23 अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन, 10 सीमा शुल्क विमानपत्तन, 81 घरेलू विमानपत्तन तथा रक्षा वायु क्षेत्रों में 23 घरेलू सिविल एन्क्लेव शामिल हैं।
- AAI हवाई नेविगेशन सेवाएँ भी प्रदान करता है साथ ही विमानन पेशेवरों के लिये एक प्रशिक्षण संस्थान संचालित करता है।

- **बिहटा एयरपोर्ट के लाभ:**
  - यह एयरपोर्ट न केवल **पटना शहर से जुड़ा रहेगा**, बल्कि पूरे बिहार और आसपास के क्षेत्रों के लिये एक नया हवाई यातायात केंद्र बनेगा।
  - इससे प्रमुख शहरों की **हवाई कनेक्टिविटी को बढ़ावा** मिलेगा।
  - व्यापार और पर्यटन के क्षेत्र में वृद्धि होगी।
  - एयरपोर्ट के निर्माण से स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।
  - यात्री सुविधाओं में सुधार होगा और यात्रा की लागत में कमी आएगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

बोधगया में बौद्ध महोत्सव 2025

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में बिहार के गया ज़िले के बोधगया **स्थित कालचक्र मैदान में** तीन दिवसीय बौद्ध महोत्सव 2025 का आयोजन किया गया।

मुख्य बिंदु

- **उत्सव के बारे में:**
  - इस बौद्ध महोत्सव में आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन गतिविधियों की झलक दिखाई दी।
  - इसमें स्थानीय कलाकारों के अलावा **इंडोनेशिया, लाओस, जापान सहित 6 देशों के** कलाकारों ने भाग लिया।
  - बौद्ध महोत्सव में पहली बार बुद्धिस्ट फिल्म फेस्टिवल का भी आयोजन हुआ। इसके लिये कई देशों के बड़े फिल्मकारों, लेखकों आदि को आमंत्रित किया गया।
- इस फिल्म फेस्टिवल और **आर्ट्स फेस्टिवल का आयोजन महाबोधि कन्वेंशन सेंटर में** किया गया।

बौद्ध महोत्सव

- बौद्ध महोत्सव एक वार्षिक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आयोजन है, जिसे मुख्य रूप से बिहार के बोधगया में मनाया जाता है।
- यह महोत्सव भगवान गौतम बुद्ध की शिक्षाओं, बौद्ध धर्म और उसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का उत्सव है।
- बौद्ध महोत्सव का पहला आयोजन वर्ष 1998 में किया गया था।
- बोधगया वह स्थान है **जहाँ भगवान बुद्ध को ज्ञान (बोधि)** की प्राप्ति हुई थी, इसलिये यह स्थल बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिये अत्यंत पवित्र है।
- यह महोत्सव बौद्ध धर्म के मूल सिद्धांतों जैसे- अहिंसा, करुणा, शांति **और ध्यान को** बढ़ावा देता है।
- भारत के साथ-साथ **श्रीलंका, नेपाल, भूटान, जापान, चीन, थाईलैंड, म्याँमार और अन्य देशों से हज़ारों श्रद्धालु तथा पर्यटक इसमें भाग लेते हैं।**

भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर

चर्चा में क्यों ?

बिहार के मुख्यमंत्री ने पटना में भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

मुख्य बिंदु

- इस अवसर पर कला, संस्कृति एवं युवा विभाग द्वारा सर्वधर्म प्रार्थना आयोजित की गई तथा **भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर के जीवन एवं कृतित्व पर आधारित गीत**, भजन-कीर्तन एवं निर्गुण गीत की प्रस्तुति की गई।
- मुख्यमंत्री ने कर्पूरी ठाकुर को भारतीय राजनीति का जननायक बताया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

कर्पूरी ठाकुर

- कर्पूरी ठाकुर, जिन्हें "जननायक" कहा जाता है, एक प्रमुख भारतीय राजनीतिज्ञ थे, जिन्होंने वर्ष 1970-71 और 1977-79 तक दो **बार बिहार के 11वें मुख्यमंत्री** के रूप में कार्य किया।
- वह एक **स्वतंत्रता सेनानी और कट्टर समाजवादी** थे, जिन्होंने **जयप्रकाश नारायण, डॉ. राममनोहर लोहिया तथा रामनंदन मिश्रा जैसे दिग्गजों के मार्गदर्शन में काम** किया।
- उन्होंने OBC के बीच **अत्यंत पिछड़ा वर्ग (Extremely Backward Class- EBC)** के रूप में सूचीबद्ध **नाई समुदाय (Nai community)** का प्रतिनिधित्व किया।
- उन्होंने हिंदी और उर्दू को दूसरी **आधिकारिक भाषा के रूप में बढ़ावा देने, स्कूल की फीस माफ करने** तथा **पंचायती राज** को मज़बूत करने सहित व्यापक नीतियाँ लागू की।
- **फरवरी 1988 में उनका निधन हो गया।**
- इन्हें वर्ष 2024 में मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

भारत रत्न

- **भारत रत्न देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है।** यह **मानव प्रयास के किसी भी क्षेत्र** में असाधारण सेवा/उच्चतम प्रदर्शन के सम्मान में प्रदान किया जाता है।
- इसकी घोषणा पद्म पुरस्कार से अलग स्तर पर की जाती है। **भारत रत्न की सिफारिशें प्रधानमंत्री द्वारा भारत के राष्ट्रपति को की जाती हैं।**
- भारत रत्न पुरस्कारों की संख्या **एक विशेष वर्ष में अधिकतम तीन तक हो सकती है।**

बिहार राज्य वूमेंस वूशु चैंपियनशिप-2025

चर्चा में क्यों ?

22-23 फरवरी, 2025 के मध्य बिहार के **मुज़फ्फरपुर ज़िले** के सिकंदरपुर स्थित खेल भवन में बिहार **राज्य वूमेंस वूशु चैंपियनशिप-2025** शुभारंभ किया गया।

मुख्य बिंदु

- **आयोजन का उद्देश्य:**
  - इस चैंपियनशिप का मुख्य उद्देश्य राज्य में महिलाओं के बीच वूशु **खेल को बढ़ावा देना** और प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर के लिये तैयार करना था।
- **आयोजन:**
  - इस प्रतियोगिता का आयोजन **ज़िला खेल विभाग और बिहार वूशु एसोसिएशन के संयुक्त** तत्त्वावधान में किया गया।
- **भागीदारी:**
  - लगभग 300 से अधिक महिला खिलाड़ी बिहार के विभिन्न ज़िलों से इस चैंपियनशिप में भाग लिया, जिससे राज्य भर में खेल के प्रति उत्साह और भागीदारी का संकेत मिलता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **खिलाड़ियों का प्रदर्शन:**
  - **मुज़फ्फरपुर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल खिताब जीता**, जो शहर में खेल के प्रति समर्पण और स्तर को दर्शाता है।
- **वूशु इवेंट्स:**
  - इस चैंपियनशिप में **सांडा** और **ताओलू** जैसे विभिन्न वूशु इवेंट्स में मुकाबले हुए, जो वूशु खेल की विविधता के पहलुओं को उजागर करते हैं।

वूशु के बारे में:

- वूशु एक चीनी मार्शल आर्ट है, जिसे दो तरह (**ताओलु और सांडा**) से खेला जाता है और यह तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।
- वुशू को कभी-कभी **कुंग फू** भी कहा जाता है, और दोनों नाम आम तौर पर चीनी मार्शल आर्ट को संदर्भित करते हैं।
- बिहार के कई खिलाड़ियों ने इस खेल में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है।

नालंदा में विकास परियोजनाओं का उद्घाटन

चर्चा में क्यों ?

बिहार के मुख्यमंत्री ने अपनी **प्रगति यात्रा** के दौरान **नालंदा** में 820.72 करोड़ रुपए की कुल 263 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

मुख्य बिंदु

प्रमुख उद्घाटन और शिलान्यास

- इन विकास परियोजनाओं में 361.66 करोड़ रुपए की 177 परियोजनाओं का उद्घाटन और 459.05 करोड़ रुपए की 86 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है। **जिनमें प्रमुख परियोजनाएँ निम्नलिखित हैं:**
  - **तालाब और पुस्तकालय का उद्घाटन:** इस दौरान उन्होंने सिलाव प्रखंड के नानंद गाँव में **अमृत सरोवर योजना** के तहत बने **तालाब, सुंदर पार्क** और वातानुकूलित डिजिटल पुस्तकालय का उद्घाटन किया।
  - **सामाजिक उत्थान पार्क:** ₹19-22 लाख की लागत से निर्मित, इसे स्वच्छ बनाए रखने के निर्देश
  - प्रधानमंत्री आवास योजना: के तहत 12 महादलित परिवारों को नवनिर्मित मकान सौंपे (बिजली, पानी और बागवानी सुविधा सहित)
  - **जीविका दीदियों** को आर्थिक सहयोग प्रदान
  - राजगीर **कुंड परिसर:** नवनिर्मित यात्री विश्राम भवन का उद्घाटन
  - **बेनार-सकसोहरा मार्ग:** चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण करना
  - **मत्स्य हैचरी:** निरीक्षण किया
  - **स्थानीय खेल मैदान:** निरीक्षण, खिलाड़ियों को ब्लेजर बॉल और खेल किट प्रदान की
  - **सामाजिक भवन, वर्क शेड और चाइल्ड वेलफेयर स्कीम** के लाभार्थियों से संवाद

भावी परियोजनाएँ

- **राजगीर में डायनासोर पार्क** का निर्माण

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **पंचाने सिंचाई योजना:** जीर्णोद्धार और विकास
- **सरमेरा में कृषि अनुसंधान केंद्र** की स्थापना

नालंदा ज़िला

- परिचय
  - नालंदा बिहार का एक प्रमुख ज़िला है जिसका मुख्यालय **बिहार शरीफ** है। इसका क्षेत्रफल 2,355 वर्ग किलोमीटर (909 वर्ग मील) है।
- **एतिहासिक महत्त्व**
  - नालंदा अपने प्राचीन इतिहास के लिये विश्व प्रसिद्ध है।
  - यहाँ विश्व के सबसे पुराने **नालंदा विश्वविद्यालय** के अवशेष आज भी स्थित हैं।
  - **बुद्ध और महावीर** कई बार नालंदा में ठहरे थे।
  - महावीर ने मोक्ष की प्राप्ति **पावापुरी (नालंदा)** में की थी।
  - बुद्ध के प्रमुख शिष्य **शारिपुत्र का जन्म नालंदा** में हुआ था।
  - प्रसिद्ध चीनी यात्री **ह्वेनसांग** ने 7वीं शताब्दी में यहाँ एक वर्ष बिताया था।
- **पर्यटन स्थल**
  - **नालंदा विश्वविद्यालय के अवशेष**
  - **नालंदा संग्रहालय**
  - **ह्वेनसांग मेमोरियल हॉल**
  - **राजगीर** (गर्म पानी के झरने – ब्रह्मकुण्ड, सरस्वती कुण्ड, लंगटे कुण्ड)
  - **पावापुरी** (महावीर का निर्वाण स्थल)
  - **बोधगया एवं गया** (बौद्ध धर्म का प्रमुख केंद्र)
- **प्रमुख नदियाँ**
  - फल्गु
  - मोहने

भारतीय नकली नोट की छपाई

चर्चा में क्यों ?

21 फरवरी 2025 को **राजस्व खुफिया निदेशालय (DRI)** ने **भारतीय मुद्रा के जाली नोटों (FICN)** की छपाई में संलिप्त सात मॉड्यूल को गिरफ्तार किया गया।

मुख्य बिंदु

- **मुद्दे के बारे में**
  - **नकली भारतीय मुद्रा नोट (FICN)** छापने और सिक्योरिटी पेपर के आयात में संलिप्त मॉड्यूल के खिलाफ अपने अभियान को जारी रखते हुए, **राजस्व खुफिया निदेशालय (DRI)** ने **महाराष्ट्र, हरियाणा, तेलंगाना, तमिलनाडु और बिहार में 11 स्थानों पर** एक साथ तलाशी अभियान चलाया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- इस कार्रवाई में FICN की छपाई में सक्रिय सात मॉड्यूल को गिरफ्तार किया गया।
- इससे पहले भी 8 फरवरी, 2025 को, डीआरआई ने **गाज़ीपुर और बेंगलुरु** में 'RBI' और 'इंडिया' ('सिक्योरिटी पेपर्स') शब्दों वाले एम्बेडेड सुरक्षा धागे वाले कागज़ के आयातक पाए गए दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया था।
- टीम ने 50 रुपए और 100 रुपए के मूल्यवर्ग के नकली नोट और कई मशीनरी/उपकरण ज़ब्त किये हैं।

नकली मुद्रा का प्रभाव

- **अर्थव्यवस्था को नुकसान**
  - नकली मुद्रा के प्रसार से **महंगाई बढ़ सकती थी** और **आर्थिक अस्थिरता** उत्पन्न हो सकती थी।
  - असली और नकली मुद्रा के मिश्रण से **बैंकिंग सिस्टम में गड़बड़ी हो सकती है**।
- **अपराध का बढ़ना**
  - नकली नोटों का इस्तेमाल **काले धन और अवैध गतिविधियों** में किया जाता है, जिसे आतंकवादी गतिविधियाँ बढ़ सकती हैं।
  - नकली नोटों का कारोबार **सीमा पार तस्करी और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों** से जुड़ा होता है।

राजस्व खुफिया निदेशालय:

- यह भारत की एक प्रमुख **तस्करी विरोधी खुफिया, जाँच एवं संचालन एजेंसी** है।
- इसके आलावा इस एजेंसी द्वारा ड्रग्स, सोना, हीरे, इलेक्ट्रॉनिक्स, विदेशी मुद्रा, और नकली भारतीय मुद्रा सहित वस्तुओं की तस्करी पर रोक लगाने का कार्य किया जाता है।
- राजस्व खुफिया निदेशालय, भारत सरकार के **वित्त मंत्रालय,** राजस्व विभाग में **केंद्रीय अप्रत्यक्ष करों और सीमा शुल्क** के तहत कार्य करता है।

महिलाओं की सहायता हेतु सुरक्षा अधिकारी नियुक्त

चर्चा में क्यों ?

बिहार सरकार ने **घरेलू हिंसा से प्रभावित महिलाओं** को अधिक प्रभावी ढंग से सहायता प्रदान करने के लिये राज्य में 140 पूर्णकालिक **'संरक्षण अधिकारी'** नियुक्त करने का निर्णय लिया है।

मुख्य बिंदु

- **मुद्दे के बारे में:**
  - समाज कल्याण विभाग ने **एक अलग संवर्ग बनाने का निर्णय** किया है जिसके तहत उपमंडल, ज़िला और राज्य स्तर पर सुरक्षा अधिकारी नियुक्त किये जाएंगे।
- **उद्देश्य:**
  - घरेलू हिंसा के बढ़ते मामलों से प्रभावी ढंग से निपटना।
  - महिलाओं को घरेलू हिंसा से सुरक्षा प्रदान करना और उन्हें **संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों का संरक्षण सुनिश्चित करना।**
- **नियुक्ति का स्तर:**
  - उपमंडल, ज़िला और राज्य स्तर पर सुरक्षा अधिकारी नियुक्त किये जाएंगे।
  - **कुल 140 सुरक्षा अधिकारी नियुक्त किये जाएंगे:**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- 101 उपमंडल स्तर पर
- 38 ज़िला स्तर पर
- 1 राज्य स्तरीय सुरक्षा अधिकारी।
- **सुरक्षा अधिकारी की ज़िम्मेदारियाँ:**
  - महिला घरेलू हिंसा संरक्षण अधिनियम, 2005 के तहत महिला के अधिकारों की सुरक्षा करना।
  - मजिस्ट्रेट को उनके कार्यों में सहायता करना।
  - पीड़ित महिला की शारीरिक चोटों का चिकित्सकीय परीक्षण करवाना और रिपोर्ट संबंधित थाने तथा मजिस्ट्रेट को भेजना।
  - घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005 की धारा 20 के तहत आर्थिक राहत आदेश का पालन सुनिश्चित करना।

घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005 (Domestic Violence Act, 2005)

- **परिचय**
  - यह महिलाओं के खिलाफ घरेलू हिंसा को रोकने और **उन्हें कानूनी सुरक्षा प्रदान करने** के लिये एक महत्त्वपूर्ण कानून है।
- **उद्देश्य**
  - इस अधिनियम का उद्देश्य महिलाओं को उनके घरों में या किसी अन्य निजी स्थान पर होने वाली हिंसा से बचाना है और उन्हें उनके अधिकारों का संरक्षण प्रदान करना है।

घरेलू हिंसा के विभिन्न प्रकार: अधिनियम के तहत **घरेलू हिंसा** के विभिन्न प्रकार की हिंसाओं को शामिल किया गया है:

- **शारीरिक हिंसा:**
  - इसमें महिला को शारीरिक रूप से चोट पहुँचाना शामिल है।
  - **उदाहरण:** थप्पड़ मारना, धक्का देना, पीटना आदि।
- **यौन हिंसा:**
  - इसमें महिला के साथ यौन उत्पीड़न या बलात्कार करना आदि कुकृत्य शामिल हैं।
  - **उदाहरण:** जबरन संभोग, अन्य यौन अपराध।
- **भावनात्मक दुरुपयोग:**
  - इसमें महिला की **मानसिक स्थिति** और आत्म-सम्मान को नुकसान पहुँचाना शामिल है।
  - **उदाहरण:** अपमान करना, विश्वासघात करना, डराना-धमकाना, या महिला को मानसिक रूप से कमज़ोर महसूस कराना।
- **सामाजिक और आर्थिक नियंत्रण:**
- इसमें महिला को उसके परिवार और दोस्तों से अलग करना, उसे सामाजिक रूप से अकेला करना, या उसे अपनी इच्छा के खिलाफ सीमित करना शामिल है।

पीएम-किसान योजना

चर्चा में क्यों ?

24 फरवरी, 2025 को प्रधानमंत्री ने **बिहार के** भागलपुर में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 19वीं किस्त जारी की। जिससे देश भर में 2.41 करोड़ महिला किसानों सहित 9.8 करोड़ से अधिक किसान लाभान्वित हुए।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- इस योजना के तहत **2000 रुपए सीधे किसानों के खाते में ट्रांसफर किये गए।**
- इससे किसान परिवारों को आर्थिक सहायता मिलेगी और उनकी आय में वृद्धि होगी, साथ ही कृषि संबंधित खर्चों को पूरा करने में मदद मिलेगी।
- इससे पहले, प्रधानमंत्री ने **5 अक्टूबर 2024** को महाराष्ट्र के **वाशिम में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 18वीं** किस्त जारी की थी।

पीएम-किसान सम्मान निधि योजना

- **परिचय:**
  - इसे **24 फरवरी, 2019** को भूमि धारक किसानों की वित्तीय ज़रूरतों को पूरा करने के लिये शुरू किया गया था।
- **वित्तीय लाभ:**
  - **प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (DBT)** मोड के माध्यम से देश भर के किसान परिवारों के बैंक खातों में हर चार महीने में **तीन समान किस्तों में 6000 रुपए प्रतिवर्ष का वित्तीय लाभ हस्तांतरित** किया जाता है।

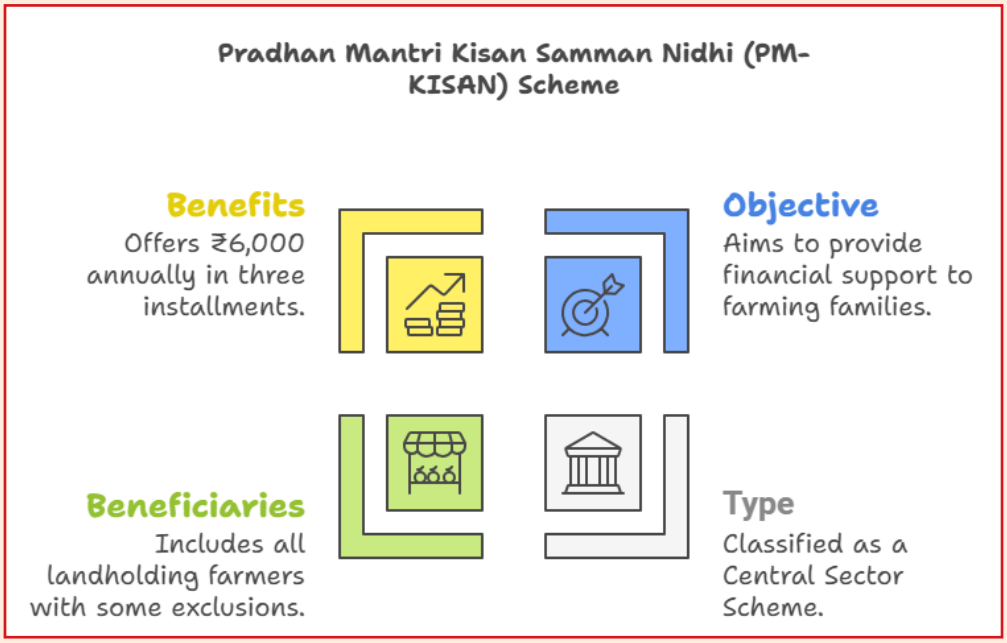

- **योजना का दायरा:**
  - यह योजना शुरू में उन **छोटे एवं सीमांत किसानों (SMFs)** के लिये थी, जिनके पास **2 हेक्टेयर** तक की भूमि थी, लेकिन बाद में इस **योजना का दायरा सभी भूमिधारक किसानों को कवर** हेतु बढ़ा दिया गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **वित्तपोषण और कार्यान्वयन:**
  - यह भारत सरकार द्वारा **100% वित्तपोषण के साथ एक केंद्र प्रायोजित योजना** है।
  - इसे कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है।
- **उद्देश्य:**
  - इसका उद्देश्य प्रत्येक **फसल चक्र के अंत में प्रत्याशित कृषि आय के अनुरूप उचित फसल स्वास्थ्य और पैदावार सुनिश्चित** करने के लिये विभिन्न आदानों की खरीद संबंधी **लघु एवं सीमांत किसानों की वित्तीय ज़रूरतों को पूरा** करना है।
  - इस तरह के खर्चों को पूरा करने के लिये उन्हें **साहूकारों के चंगुल से बचाना** तथा खेती की गतिविधियों में उनकी निरंतरता सुनिश्चित करना।
  - **PM-KISAN मोबाइल एप:** इसे **इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय** के सहयोग से **राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र** द्वारा विकसित और डिज़ाइन किया गया है।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :